

64

संख्या: / VIII/12-09(कराबीयो) / 2011 टी0सी0

प्रेषक,

किशन नाथ,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
कर्मचारी राज्य बीमा योजना,
देहरादून।

श्रम एवं सेवायोजन अनुभाग

देहरादून, दिनांक 29 फरवरी, 2012

विषय:-वित्तीय वर्ष 2011-12 के आय-व्यय की अवचनबद्ध मदों की चतुर्थ त्रैमासिक हेतु वित्तीय स्वीकृतियाँ निर्गत किए जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या:-765 / VIII / 11-09(कराबीयो) / 2011 दिनांक 17 जून, 2011, संख्या:-1233 / VIII / 11-09(कराबीयो) / 2011 टी0सी0 दिनांक 26 सितम्बर, 2011 संख्या:-57 / VIII / 12-09(कराबीयो) / 2011 टी0सी0 दिनांक 18 जनवरी, 2012 एवं आपके पत्र संख्या:-542 / बजट / कराबीयो / 2011-12 दिनांक 17 फरवरी, 2012 के संदर्भ में तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-209 / XXVII(1) / 2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 एवं संख्या:-584 / XXVII(1) / 2011 दिनांक 07 अक्टूबर, 2011 के क्रम में वित्तीय वर्ष 2011-12 में कर्मचारी राज्य बीमा योजना हेतु व्यवस्थित धनराशि एवं प्रथम अनुपूरक मांग की माध्यम से प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष अनुदान संख्या-16 में लेखाशीर्षक-2210 के अन्तर्गत अवचनबद्ध मदों की संलग्न विवरणानुसार आयोजनेत्तर पक्ष में रु0 19,80,000 (रुपये उन्नीस लाख अस्सी हजार मात्र) की धनराशि की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुये व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ एवं शर्तों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखी जा रही है, कि उक्त मद में आबंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आबंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों का उल्लंघन होता हो। जहाँ व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहाँ ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा। व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है, मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का अनुपालन कड़ाई से सुनिश्चित किया जाये। व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा जिसके लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है।

54-2

3— उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के अनुदान संख्या 16 के मुख्य लेखाशीर्षक 2210—चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

4— प्रायः यह देखा गया है कि धनराशि विभागाध्यक्ष के निर्वतन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्ष द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निर्वतन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः वर्तमान में स्वीकृत की जा रही धनराशि आहरण-वितरण अधिकारी को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए और फील्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो। धनराशि का उपयोग दि० 31 मार्च, 2012 तक करते हुये प्रत्येक माह का बी०एम०-13 शासन में उपलब्ध कराया जाएगा।

5— उक्त आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-209/XXVII(1)/2011, दिनांक 31 मार्च, 2011 एवं संख्या:-584/XXVII(1)/2011 दिनांक 07 अक्टूबर, 2011 में दिए गए निर्देशों के क्रम में जारी किए जा रहे हैं।

संलग्न :- यथोपरि।

भवदीय,

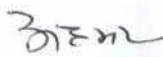
(किशन नाथ)
अपर सचिव

संख्या: 420 (1)/VIII/12-09(कराबीयो)/2011 टी०सी०, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1—महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2—वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, समस्त जनपद, उत्तराखण्ड।
- 3—एनआईसी, सचिवालय।
- 4—वित्त अनुभाग-5।
- 5—गार्ड फाइल।

आज्ञा से,



(अहमद अली)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या:- 420/VIII/12-09(कराबीयो)/2011 टी0सी0, दिनांक 29 फरवरी, 2012 का संलग्नक

अनुदान संख्या: 16

धनराशि हजार रुपये में

(I) लेखाशीर्षक

- 2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य
 01 शहरी स्वास्थ्य सेवाएं-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति
 102 कर्मचारी राज्य बीमा योजना
 01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें (88: के0सं0)
 0103 अधिष्ठान (निदेशालय)

क्र0 स0	मद संख्या एवं मद का नाम	वित्तीय वर्ष 2011-12 में प्रथम अनुपूरक मांग सहित प्राविधानित कुल धनराशि	पूर्व में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किशत के रूप में अवमुक्त धनराशि	चतुर्थ एवं अंतिम त्रैमासिक हेतु अवमुक्त की जाने वाली धनराशि
1.	08-कार्यालय व्यय	105	45	60
2.	11-लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	80	60	20
3.	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	70	54	16
4.	13-टेलीफोन पर व्यय	50	21	29
5.	15-गाड़ियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल आदि की खरीद	170	54	116
6.	16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	80	60	20
7.	19-विज्ञापन, बिक्री व विख्यापन व्यय	50	39	11
8.	22- आतिथ्य व्यय/भत्ता आदि	50	39	11
9.	26-मशीन और सज्जा/उपकरण और सयंत्र	300	150	150
10.	42-अन्य व्यय	50	39	11
11.	45-अवकाश यात्रा व्यय	10	08	02
12.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर क्रय/ साफ्टवेयर	100	75	25
13.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी	50	39	11
	योग	1165	683	482

(रुपये चार लाख बयासी हजार मात्र)

(II) लेखाशीर्षक

- 2210 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य
01 शहरी स्वास्थ्य सेवाएं-पाश्चात्य चिकित्सा पद्धति
102 कर्मचारी राज्य बीमा योजना
01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें (88% के0सं0)
0104 क्षेत्रीय कार्यालय अधिष्ठान श्रम विभाग द्वारा

क्र० सं०	मद संख्या एवं मद का नाम	(धनराशि हजार रुपये में)		
		वित्तीय वर्ष 2011-12 में प्रथम अनुपूरक मांग सहित प्राविधानित कुल धनराशि	पूर्व में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त के रूप में अवमुक्त धनराशि	चतुर्थ एवं अंतिम त्रैमासिक हेतु अवमुक्त की जाने वाली धनराशि
1.	04-यात्रा व्यय	100	75	25
2.	07-मानदेय	40	30	10
3.	08-कार्यालय व्यय	100	75	25
4.	11-लेखन सामग्री एवं फार्मों की छपाई	110	83	27
5.	12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	120	90	30
6.	16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान	800	600	200
7.	19-विज्ञापन, बिक्री व विख्यापन व्यय	10	08	02
8.	26-मशीन और सज्जा/उपकरण और सयंत्र	900	300	600
9.	40-औषधालय संबंधी साज सज्जा	400	75	325
10.	42-अन्य व्यय	250	75	175
11.	44-प्रशिक्षण व्यय	50	38	12
12.	45-अवकाश यात्रा व्यय	20	15	05
13.	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर क्रय/ साफ्टवेयर	200	150	50
14.	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी	50	38	12
	योग	3150	1652	1498

(रुपये चौदह लाख अठानवे हजार मात्र)

महायोग:- रु0 19,80,000 (रुपये उन्नीस लाख अस्सी हजार मात्र)

(अहमद अली)

अनु सचिव

६